इकाई 4 : राजस्थानी गद्य साहित्य (आलोचनात्मक प्रश्न)

(उद्‌भव एवं विकास, प्राचीन तथा अर्वाचीन राजस्थानी गद्य विधाओं से सम्बन्धित

आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 : राजस्थानी पर्यायवाची शब्द राजस्थानी शब्दों के तत्सम रूप एवं तत्सम शब्दों के तद्‌भव रूप

द्वितीय प्रश्न–पत्र

पद्य

पाठ्‌य पुस्तकें पूर्णांक : 100

राजिया रा सोरठा : सम्पादक– नरोत्तमदास स्वामी, नवयुग ग्रन्थ कुटीर, बीकानेर

चेतक : रामसिंह सोलंकी , (उदयपुर)

प्रकाशक : चिराग प्रकाशक, उदयपुर

इकाई

इकाई 1 : व्याख्या (ससन्दर्भ)

(प्रत्येक पाठ्‌य पुस्तक से एक व्याख्या करना अनिवार्य है।)इकाई 2 : राजिया रा सोरठा (आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई 3 : चेतक (आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई 4 : आधुनिक राजस्थानी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं काव्यधाराओं

से सम्बन्धित एक प्रश्न

इकाई 5 : छन्द : दूहा (सभी भेदों सहित), वेलियौ, झमाल।

अलंकार–वैण सगाई (भेदों सहित), उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिश्योक्ति,

दृष्टांत, दीपक

संदर्भ ग्रन्थ

नाहटा, किरण : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियां, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

स्वामी नरोत्तमदास : राजस्थानी साहित्य : एक परिचय, नवयुग ग्रन्थ कुटीर , बीकानेर

Helpstudentpoint.com

नाहटा, अगरचन्द : राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

साकरिया, भपतिराम : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, राजस्थानी सेवा समिति, शाहबाग रोड, अहमदाबाद

मिश्र, श्रीलाल : आधुनिक राजस्थानी काव्य, राजस्थानी साहित्य समिति, बिसाऊ

खारेड़, मेहताबचन्द्र : रघुनाथ रूपक गीतां रो – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी स्वामी, नरोत्तमदास : अलंकार परिजात

Helpstudentpoint.com